

Документ подписан простой электронной подписью  
Информация о владельце:  
ФИО: Смирнов Сергей Николаевич  
Должность: врио ректора  
Дата подписания: 23.07.2025 14:39:13  
Уникальный программный ключ:  
69e375c64f7e975d4e8830e7b4fcc2ad1bf35f08

МИНИСТЕРСТВО НАУКИ И ВЫСШЕГО ОБРАЗОВАНИЯ РОССИЙСКОЙ ФЕДЕРАЦИИ

ФГБОУ ВО "Тверской государственный университет"

План утвержден ученым советом  
Протокол № 11 от 16.04.2025

## УЧЕБНЫЙ ПЛАН

по программе бакалавриата

40.03.01

### ЮРИСПРУДЕНЦИЯ

Профиль: Правопользование и правоприменение

Факультет: Юридический

Квалификация: Бакалавр

Форма обучения: Очная

Срок получения образования: 4 г.

Типы задач профессиональной деятельности

правоприменительный

Год начала подготовки (по учебному плану)

Учебный год

Образовательный стандарт (ФГОС)

2022

2025-2026

№ 1011 от 13.08.2020

План Учебный план бакалавриата '40.03.01 Юриспруденция 2022.rlx', код направления 40.03.01, профиль : Правопользование и правоприменение, год начала подготовки 2022

| Виды дисциплин |  | Формы учеб. акт. |  | Экз. |  | Зачет |  | Всего |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  | СР |  |
|----------------|--|------------------|--|------|--|-------|--|-------|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|
|----------------|--|------------------|--|------|--|-------|--|-------|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|----|--|

[illegible]